हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 10 अंक : 287 | देहरादून, सोमवार, 16 मई, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

नैनीताल में हुई बजट पर चर्चा, वित्त मंत्री प्रेमचंद और सीएम धामी ने लिया सुझाव

3

पत्रकार निष्पक्ष और पारदर्शी पत्रकारिता करें : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने डॉ.रतन सिंह ऑडिटोरियम पहुँचकर नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट (इण्डिया) प्रान्तीय अधिवेशन में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री धामी ने कार्यक्रम की शुरूआत दीप जलाकर की। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट (इण्डिया) की 11 सूत्रीय मांग पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पत्रकार सुरक्षा कानून हेतु गंभीरता से विचार करेंगे और जो भी बेहतर होगा, वह कार्य किया जायेगा, इसके साथ ही इसके साथ ही मांगों गहनता से परीक्षण कराते हुए जो भी पत्रकारों के हित में बेहतर होगा, वह कार्य अवश्य किया जायेगा।

सीएम धामी ने अपने सम्बोधन में कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ को नमन करता हूँ। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के चारों स्तम्भ-न्याय पालिका, कार्य पालिका, विधायिका व प्रेस के मध्यम जनहित में आपसी समन्वय होना चाहिए और कोई भी पक्ष कमजोर नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता पारदर्शी व आम आदमी से जुड़ी होनी चाहिए। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि पहले की पत्रकारिता काफी कठिन होती थी और आज भी पत्रकारिता मैं बहुत सारी चुनौतियां हैं । उन्होंने कहा कि आज डिजिटल का दौर है, लेकिन ऐसे में भी पत्रकारिता में आज भी एक सुनहरा भविष्य छिपा है। उन्होंने पत्रकारों से अपील की है कि वह निष्पक्ष पत्रकारिता करें और लोकतंत्र के इस चौथे स्तंभ की मर्यादा को बरकरार बनाए रखें। उन्होंने कहा कि देश के संविधान की विशेषता है कि निचले स्तर से उठकर एक व्यक्ति देश को प्रगति के पथ पर आगे बढ़ा रहा है और अन्तराष्ट्रीय स्तर पर देश की ख्याति बढ़ा रहा है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि जबकि वे भी सैनिक परिवार से होने के बावजूद प्रदेश की कमान संभाल रहे हैं।

सीएम धामी ने कहा कि संभवतः पहली बार आम आदमी का बजट भी आम आदमी की राय से तैयार करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज के बुद्धीजीवी वर्ग में से है, बजट तैयार करने में पत्रकार बन्धु भी अपनी-अपनी राय अवश्य दें। उन्होंने कहा कि आम आदमी के बजट हेतु जैसे-जैसे जनता जागरूक होगी, वैसे-वैसे जनता के सुझाव भी अवश्य प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में बजट निर्माण में निश्चित ही जनता की सहभागिता बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया में एक से एक खूबसूरत स्थान हैं, परन्तु देवो की भूमि एवं धर्म, संस्कृति व अध्यात्म के संगम उत्तराखण्ड जैसा कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य में पर्यटन कारोबार से जुड़े छोटे-बड़े व्यवसायियों को पिछले दो वर्षों में काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ा है। सीएम धामी ने कहा कि उनके द्वारा चारधाम यात्रा पर पैनी नज़र रखी जा रही है तथा यात्रा के सफल संचालन हेतु सभी कार्य किये गये हैं और सुरक्षात्मक दृष्टि से भी गाइड लाइन जारी करने के साथ ही सभी आवश्यक व्यवस्थाऐं की गयी है।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि सभी की यात्रा सरल, सुगम व सुरक्षित हो, इसके लिए युवा यात्री बजुर्गों को दर्शन करने में प्राथमिकता दे तथा यात्रा पर आने वाले श्रद्धालु डॉक्टर से परामर्श लें। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि जो भी व्यक्ति स्वस्थ न हों, ये स्वस्थ होने तक यात्रा पर न आये। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि पहले दिन केदारनाथ धाम यात्रा पर अपेक्षा से कई अधिक श्रद्धालु यात्रा पर पहुँने के कारण रात्रि में ही सभी व्यक्तियों के लिए ऐंसी व्यवस्था की गई की किसी भी श्रद्धालु को खुले आसमान के नीचे रहना व सोना न पड़े। सीएम धामी ने राज्य में चल रहे विकास कार्यों, समान नागरिक संहित आदि के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए उत्तराखण्ड की देवतुल्य जनता की ओर से सभी देशवासियों से अपील की कि सभी राज्यों में एक समान नागरिक संहिता लागू हो।

कार्यक्रम को प्रदेश के वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि राजनीति में पत्रकारिता और राजनीति का चोली दामन का साथ है दोनों के तालमेल से ही सियासत चलती है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता एक बड़ी चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी है इसलिए स्वच्छ पत्रकारिता करनी चाहिए। उन्होंने कहां कि आज अगर विकास की कहीं भी बात आती है चाहे वह देश हो या किसी प्रदेश की उसमें विकास की मुख्यधारा पर पत्रकारिता का भी एक बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने बजट, सर्विस चार्ज सहित विभिन्न विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। एनयूजेआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष रास बिहारी, पीसीआई के सदस्य प्रसन्ना मोहन्ती, प्राफेसर गिरीश रंजन तिवारी, प्रान्तीय अध्यक्ष कैलाश जोशी ने पत्रकारिता के इतिहास, वर्तमान एवं भविष्य, चुनौतियों आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में कुमाऊँ की तर्ज पर ही गढ़वाल मण्डल कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए गढवाल मण्डल कार्यकारिणी में धर्मेन्द चौधरी को गढ़वाल मण्डल अध्यक्ष तथा निशान्त चौधरी को महासचिव बनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एनयूजे के राष्ट्रीय अध्यक्ष रास बिहारी ने की।

कार्यक्रम में विधायक मोहन सिंह बिष्ट, तिलकराज बेहड़, सुमित हृदेश, पूर्व विधायक राजेश शुक्ला, जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मंजुनाथ टीसी, एनयूजे के मण्डल अध्यक्ष दिनेश जोशी, प्रा.अध्यक्ष कैलाश जोशी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय तलवार, महामंत्री सुशील कुमार त्यागी, कोषाध्यक्ष विकास झा, जिलाध्यक्ष नवीन जोशी सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

कृषि मंत्री गणेश जोशी से राजस्थान भाजयुमो का मिला डेलिगेशन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

राजस्थान युवा मोर्चा के पदाधिकारियों ने सीकर के भाजयुमो जिलाध्यक्ष स्वदेश शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने मुलाकात की। इस दौरान मंत्री ने युवा मोर्चा के पदाधिकारियों के साथ अपने युवा मोर्चा के दौरान कार्यकाल की यादगार पलों को साझा किया।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में जल्द ही युवा नेतृत्व की सरकार भाजपा बनाऐगी। इस मौके पर मंत्री ने सभी पदाधिकारियों को अल्मोड़ा की प्रसिद्ध बाल मिठाई भी खिलाई। इस अवसर पर उनके साथ यशपाल गुर्जर, संजय खीमड़, सुरेन्द्र मूढ, रामनिवास गुर्जर, सुमित गोयल, समीर चौधरी, सौरभ शर्मा, आशुतोष सैनी आदि उपस्थित रहे।

एक दिन में पांच हजार श्रद्धालु ही करेंगे हेमकुंड साहिब के दर्शन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जोशीमठ। चारों धामों में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए हेमकुंड साहिब जाने वाले श्रद्धालुओं की भी संख्या निर्धारित कर दी गई है। अब हेमकुंड साहिब में प्रतिदिन हर दिन पांच हजार श्रद्धालु दर्शन कर सकेंगे। चारों धामों के साथ ही हेमकुंड साहिब में भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की उम्मीद है।

हेमकुंड साहिब मैनेजमेंट ट्रस्ट के उपाध्यक्ष नरेंद्रजीत सिंह बिंद्रा ने बताया कि हेमकुंड साहिब में हर दिन पांच हजार यात्री दर्शन कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है। इससे यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ने की पूरी संभावना है।

आगामी 22 मई को हेमकुंड साहिब के कपाट खुलने हैं। यात्रा सुव्यवस्थित और सुरक्षित चले इसके लिए उत्तराखंड सरकार और गुरुद्वारा श्री हेमकुंड साहिब मैनेजमेंट ने विचार-विमर्श के बाद यहां प्रत्येक दिन आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या निर्धारित कर ली है।

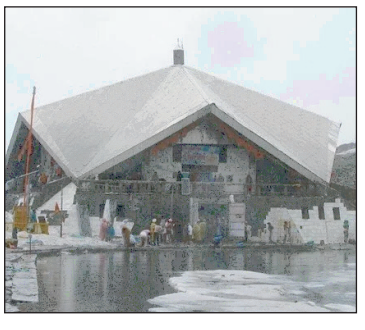

ट्रस्ट के उपाध्यक्ष ने बताया कि हेमकुंड साहिब आने वाले श्रद्धालु यात्रा शुरू करने से पहले अपना ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य रूप से करवा लें। यदि किसी कारण से कोई ऑनलाइन पंजीकरण नहीं करवा पाए हों तो वे गुरुद्वारा श्री हेमकुंड साहिब लक्ष्मण झूला मार्ग ऋषिकेश में बनाए गए पंजीकरण केंद्र पर पंजीकरण करवा सकते हैं।

खेलों के माध्यम से युवाओं को समाज से जोड़ेगी भाजपा, दून युवा मोर्चा ने किया आयोजन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

भारतीय जनता युवा मोर्चा महानगर देहरादून द्वारा गांधी पार्क में टग ऑफ वार रस्सा कसी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे 15 टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के अंतिम मैच में टीम युवा मोर्चा महानगर ने प्रतियोगिता जीती और रन अप टीम प्रेमनगर कांवली मंडल रही।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में देहरादून शहर के महापौर सुनील उनियाल गामा, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल गोयल, भाजपा महानगर अध्यक्ष सीताराम भट्ट ने विजेता टीम को पुरस्कृत किया।

प्रतियोगिता में उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुए महापौर सुनील उनियाल गामा ने कहा की युवा मोर्चा महानगर द्वारा बहुत ही सुन्दर खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जो बधाई के पात्र हैं। खेल को खेल भावना से खेलना चाहिए। गामा जी ने कहा की आज हमारे युवा नशे की ओर बढ़ रहे हैं युवा इस देश की रीढ़ है युवाओं को नशे की लत छोड़ कर खेलो में आगे बढ़ना चाहिए ताकि सभी स्वस्थ रहे और देश तरक्की की ओर अग्रसर हो।प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल गोयल ने कहा की युवा मोर्चा द्वारा आयोजित खेल प्रतियोगिता के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। युवाओं को ऐसी प्रतियोगिताओं का आयोजन करते रहना चाहिए।इस अवसर महानगर अध्यक्ष सीताराम भट्ट जी ने युवाओं को कहा की खेलो के माध्यम से अपने स्वास्थ के प्रति जागरूक रहना चाहिए। ताकि हम सभी बीमारियों से दूर रहें।

प्रतियोगिता का समापन करते हुए युवा मोर्चा महानगर अध्यक्ष अंशुल चावला ने कहा की युवा मोर्चा आगे आने वाले समय में भी ऐसे ही खेलो का आयोजन करता रहेगा जिसकी योजना रचना बनाई जा रही है। इन खेल प्रतियोगिता करने का युवा मोर्चा का एक ही उद्देश्य है की जो युवा आज कल अपना सारा समय मोबाइल फोन में बर्बाद कर देते हैं समाज से दूर हो रहे है और जो युवा नशे की लत में अपना जीवन खराब कर रहे हैं उन सभी युवाओं को समाज से जोड़ा जा सके और नशे से दूर किया जा सके।

खेल प्रतियोगिता में युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष मधुसूदन जोशी, अंबेडकर नगर मंडल अध्यक्ष विशाल गुप्ता, युवा मोर्चा महानगर महामंत्री कुलदीप पंत, समीर डोभाल, साक्षी शंकर, तरुण जैन, शुभम रावत, सत्यम अरोड़ा, दीपक सोनकर, दीपक जेठी, अनमोल राय, अंकित जोशी, अतुल बिष्ट आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आंखों की सेहत सुधारने का ये है फिट फार्मूला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आज के दौर की लाइफ स्टाइल में किसी भी उम्र के व्यक्ति या बच्चे की आंखों पर चश्मा लगा देखना आम बात सी हो गई है... फिर वो चाहे कम्प्यूटर पर काम करने वाला व्यक्ति हो या फिर मोबाइल पर गेम खेलने वाला बच्चा... इतना ही नहीं अक्सर दो-तीन साल के बच्चे की आंखों पर भी कई बार चश्मा लगा दिख जाता है., ऐसा इसलिए क्योंकि गर्भवती महिलाओं को पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्व नहीं मिल पाते हैं...

आंखें हमारे शरीर का बेहद ही महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, इसलिए जरूरी है कि इनकी सेहत को दुरुस्त रखने के लिए पोषक तत्वों से भरपूर चीजों को डाइट में शामिल किया जाये... तो आइये न्यूज़ वायरस संवाददाता मेहविश की इस रिपोर्ट में जानते हैं कि आंखों की सेहत को बेहतर बनाने के लिए किन चीजों को डाइट में शामिल किया जा सकता है...

सोयाबीन को करें डाइट में शामिल

आंखों की सेहत को दुरुस्त करने में सोयाबीन काफी मदद करती है. आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए सोयाबीन का सेवन करना काफी फायदेमंद माना जाता है. ऐसा इसलिए क्योंकि सोयाबीन में भरपूर मात्रा में पोषक तत्व पाए जाते हैं. जो आंखों की सेहत को संवारने में मददगार साबित होते हैं...

गाजर का जूस पियें

आंखों की रोशनी को बेहतर बनाने के लिए रोजाना गाजर के जूस को भी डाइट में शामिल किया जा सकता है. गाजर में काफी मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है... जो आंखों की रोशनी को बेहतर बनाने में काफी सहायक होता है... सर्दी के सीजन में गाजर बाजार में आसानी से मिल भी जाती है.

ड्राई फ्रूट्स खाये

ड्राई फ्रूट्स भी आंखों की रोशनी बढ़ाने में काफी मदद करते हैं.. इनमें काफी मात्रा में विटामिन ई पाया जाता है जो आंखों की सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है... इसलिए आप रोज़ाना अपनी डाइट में ड्राई फ्रूट्स को शामिल कर सकते हैं... आंखों की रोशनी को बेहतर बनाने में हरी सब्जियां काफी फायदेमंद होती हैं... इसलिए हरी सब्जियों को अपनी डाइट में शामिल किया जा सकता है.. हरी सब्जियां एक नहीं बल्कि कई सारे पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं... ये सेहत को एक नहीं बल्कि कई और तरह के फायदे भी पहुंचाने में मदद करती हैं... इतना ही नहीं सर्दी के दिनों में हरी सब्जियां आसानी के साथ बाजार में मिल भी जाती हैं..

नैनीताल में सीएम धामी ने लगाया जनता दरबार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आज के दौर की लाइफ स्टाइल में किसी भी उम्र के व्यक्ति या बच्चे की आंखों पर चश्मा लगा देखना आम बात सी हो गई है... फिर वो चाहे कम्प्यूटर पर काम करने वाला व्यक्ति हो या फिर मोबाइल पर गेम खेलने वाला बच्चा... इतना ही नहीं अक्सर दो-तीन साल के बच्चे की आंखों पर भी कई बार चश्मा लगा दिख जाता है., ऐसा इसलिए क्योंकि गर्भवती महिलाओं को पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्व नहीं मिल पाते हैं...

आंखें हमारे शरीर का बेहद ही महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, इसलिए जरूरी है कि इनकी सेहत को दुरुस्त रखने के लिए पोषक तत्वों से भरपूर चीजों को डाइट में शामिल किया जाये... तो आइये न्यूज़ वायरस संवाददाता मेहविश की इस रिपोर्ट में जानते हैं कि आंखों की सेहत को बेहतर बनाने के लिए किन चीजों को डाइट में शामिल किया जा सकता है...

सोयाबीन को करें डाइट में शामिल

आंखों की सेहत को दुरुस्त करने में सोयाबीन काफी मदद करती है. आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए सोयाबीन का सेवन करना काफी फायदेमंद माना जाता है. ऐसा इसलिए क्योंकि सोयाबीन में भरपूर मात्रा में पोषक तत्व पाए जाते हैं. जो आंखों की सेहत को संवारने में मददगार साबित होते हैं...

गाजर का जूस पियें

आंखों की रोशनी को बेहतर बनाने के लिए रोजाना गाजर के जूस को भी डाइट में शामिल किया जा सकता है. गाजर में काफी मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है... जो आंखों की रोशनी को बेहतर बनाने में काफी सहायक होता है... सर्दी के सीजन में गाजर बाजार में आसानी से मिल भी जाती है.

ड्राई फ्रूट्स खाये

ड्राई फ्रूट्स भी आंखों की रोशनी बढ़ाने में काफी मदद करते हैं.. इनमें काफी मात्रा में विटामिन ई पाया जाता है जो आंखों की सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है... इसलिए आप रोज़ाना अपनी डाइट में ड्राई फ्रूट्स को शामिल कर सकते हैं... आंखों की रोशनी को बेहतर बनाने में हरी सब्जियां काफी फायदेमंद होती हैं... इसलिए हरी सब्जियों को अपनी डाइट में शामिल किया जा सकता है.. हरी सब्जियां एक नहीं बल्कि कई सारे पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं... ये सेहत को एक नहीं बल्कि कई और तरह के फायदे भी पहुंचाने में मदद करती हैं... इतना ही नहीं सर्दी के दिनों में हरी सब्जियां आसानी के साथ बाजार में मिल भी जाती हैं..

नैनीताल में हुई बजट पर चर्चा, वित्त मंत्री प्रेमचंद और सीएम धामी ने लिया सुझाव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नया प्रयोग करते हुए राज्य बजट से पहले नैनीताल राज्य अतिथि गृह मे बजट 2022-23 के निर्माण में कुमाऊँ मण्डल संवाद के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रतिनिधियों के समूह के साथ बजट-पूर्व संवाद में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर वित्त मंत्री प्रेम चन्द्र अग्रवाल, वित्त सचिव आर मीनाक्षी सुन्दरम मौजूद थे।

सीएम धामी ने विभिन्न क्षेत्रों से आये स्टेकहोल्डर्स का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि यह बजट आम आदमी का बजट होगा यह तभी होगा जब आप लोगो के साथ संवाद के तहत आप अपने सुझाव देगे कि किस क्षेत्र में प्रदेश के विकास के लिए कार्य किये जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि आप लोगो की बजट बनाने में एक अहम भूमिका होगी, प्रदेश में होम स्टे सरकार की पहली प्राथमिकता है, जिसके तहत प्रदेश में 3600 होमस्टेट पंजीकृत है और आगे भी होम स्टेट को प्राथमिकता दी जायेगी।

उन्होने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि 21वी सदी का तीसरा दशक उत्तराखण्ड का होगा इसके तहत इस वर्ष सभी क्षेत्रों में उत्तराखण्ड के लिए पर्यटन, शिक्षा, रोजगार आदि के लिए अच्छा वर्ष होगा। उन्होंने कहा कि चुनौतियाँ तो बहुत है लेकिन हम सभी को मिलकर उनका समाधान करना होगा तांकि जो जिस क्षेत्र से जुड़े है उनमें प्रगति की जा सके। उन्होने कहा कि सरकार लगातार हर क्षेत्र में कार्य कर रही है जिसके तहत प्रधानमंत्री द्वारा 1500 से भी अधिक कठोर नियमों को सरलीकरण करते हुये आम जनमानस के हित में कार्य किये है। उन्होने कहा कि क्षेत्र में रानीबाग पुल, नैनीताल से देहरादून चौडीकरण, धामपुर से नगीना अफजलगढ़ के मार्गो को भी चौडीकरण किया जायेगा ताकि यातायात हेतु सड़के सुगम हो सके। उन्होंने कहा कि सरकार हर क्षेत्र की समस्याओं को पूरा करने का प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रतिनिधियों से कहा कि जो जिस क्षेत्र से जुड़े है वे प्लान सुझाव बनाकर uttarakhnabudget.gmail.com पर ईमेल के माध्यम से उपलब्ध करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि बजट में सभी के विचारों को समाहित किया जायेगा तांकि प्रदेश के विकास के लिए एक अच्छा बजट मिल सके।

बजट पूर्व संवाद के अवसर पर कृषि, उद्यान, डेयरी, दुग्ध उत्पाद के प्रतिनिधियों द्वारा पशुचारा में छूट एवं अनुदान, टैक्टर ट्रॉली में छूट स्थानीय उत्पाद को अच्छा बाजार उपलब्ध कराने, साग, सब्जीयों में मूल्य निधारित मण्डीयों में पारदर्शिता, उत्तराखण्ड के जनपदों में नर्सरियों को अधिक से अधिक बढ़ावा, फल पट्टी के क्षेत्रों में जुड़े विशेषज्ञों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को प्रशिक्षण एवं गुणवत्ता बीजों में छूट देने, जनपदों में सगंधन पौधालय केन्द्र बनाये जाये, जंगली जानवरों से फसलों की सुरक्षा हेतु सुझाव दिये गये।

बजट संवाद के दौरान मेयर एवं जिला पंचायत अध्यक्षों द्वारा अरबन एवं लोकल क्षेत्रों के तहत बजट बनाने, पर्यटन के क्षेत्र में राज्य वित्त आयोग का बजट अधिक करने, नगर निगमों हेतु स्वच्छ एवं सफाई तथा छोटे-छोटे कार्यों के लिए अलग से बजट, आपदा के दौरान क्षति ग्रस्त क्षेत्रों में बजट बढ़ाये जाने, वेडिंग जोन निर्माण हेतु बजट, स्वरोजगार के तहत ऋण व्यवस्था में सरलीकरण आदि सुझाव दिये। बजट बैठक में उद्योग प्रतिनिधियों द्वारा औद्योगिक क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था, सड़क मार्ग एवं हवाई सेवाओं से औद्योगिक क्षेत्रों को जोड़ने, प्लास्टिक निस्तारण हेतु अनुदान योजना के तहत बजट आवंटन, राईस मिल्स में कृषकों के भुगतान हेतु अधिक बजट, जीएसटी छूट, एक्साईज ड्यूटी में छूट, औद्योगिक क्षेत्रों में नये उद्योग स्थापित करने में विद्युत शुल्क में छूट महिला सशक्तीकरण हेतु ग्रोथ सेन्टरों को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन बजट, पशु संरक्षण हेतु गौशला निर्माण हेतु बजट आंवटन के सुझाव दिये गये। व्यापार मण्डल, ट्रेड, होटल, पर्यटन से जुडे प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय राज्य मार्गों का सुधारिकरण, होम स्टे योजना के तहत अधिक बजट व सरलीकरण करने आदि व्यवस्थाओं पर अपने सुझाव दिये।

इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक सरीता आर्या, डॉ. मोहन सिंह बिष्ट, जिला अध्यक्ष प्रदीप बिष्ट, बजट अधिकारी मनमोहन मैनाली, मेयर डॉ. जोगेन्द्र पॉल सिंह रौतेला, मेयर उधमसिंह नगर राम पाल, मेयर काशीपुर उषा नेगी, जिला पंचायत अध्यक्ष बेला तोलिया, चम्पावत ज्योति राय, अनिल कपूर डब्बू, आयुक्त दीपक रावत, जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल, एसएसपी पकंज भट्ट, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. संदीप तिवारी, अपर जिलाधिकारी अशोक जोशी, नगर आयुक्त पंकज उपाध्याय के साथ ही कई विभागों के अधिकारियों, जनप्रतिनिधी एवं स्टेकहोल्डर्स कसन्टेशन के प्रतिनिधी मौजूद थे।

चम्पावत उप चुनाव में सपा के अखिलेश यादव करेंगे प्रत्याशी के लिए प्रचार : एसपी सचान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखण्ड के चम्पावत विधानसभा क्षेत्र में हो रहे उपचुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी मनोज कुमार उर्फ ललित मोहन भट्ट भी चुनाव मैदान में किस्मत आजमा रहे है। चुनाव प्रचार के दौरान समाजवादी पार्टी उम्मीदवार को उम्मीद है कि उन्हें इसबार स्थानीय मतदाताओं का समर्थन मिलेगा । ललित मोहन भट्ट वर्ष 2012 तथा 2019 में पिथौरागढ़ से विधानसभा चुनाव भी लड़ चुके हैं।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर चम्पावत उपचुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी के चुनाव प्रचार हेतु निर्वाचन आयोग को स्टार प्रचारकों की सूची दी हैं। इसके अतिरिक्त उत्तराखण्ड के अन्य राज्यस्तरीय नेता भी चुनाव प्रचार में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी के पक्ष में चम्पावत पहुचेंगे।

समाजवादी स्टार प्रचारकों की सूची में सर्वश्री मुलायम सिंह यादव पार्टी संरक्षक, अखिलेश यादव राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा किरनमय नन्दा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सहित उत्तराखण्ड के प्रदेश अध्यक्ष सत्य नारायण सचान, शोएब अहमद सिद्दीकी प्रमुख महासचिव, सुरेश परिहार प्रदेश उपाध्यक्ष, श्रीमती आभा बड़थ्वाल प्रदेश उपाध्यक्ष, हुसैन अहमद प्रदेश उपाध्यक्ष, डॉ0 राकेश कुमार पाठक प्रदेश महासचिव, डॉ0 राजेन्द्र पाराशर प्रदेश महासचिव, अनिल कुमार प्रदेश महासचिव, सत्येन्द्र कुमार राय प्रदेश कोषाध्यक्ष, डा. रेखा यादव, अतुल यादव प्रदेश सचिव, प्रदीप चौधरी प्रदेश सचिव, योगेन्द्र यादव जिलाध्यक्ष, आलोक राय जिलाध्यक्ष, गुलफाम अली अल्पसंख्यक सभा, सुरेन्द्र गुरूंग प्रदेश सचिव, अमित यादव प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी युवजन सभा, चन्द्रशेखर यादव विशेष आमंत्रित सदस्य, सुभाष पंवार प्रमुख प्रवक्ता, अतुल शर्मा प्रदेश सचिव तथा मशगूर कुरैशी प्रदेश सचिव शामिल हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के कई प्रमुख नेताओं को भी चम्पावत उपचुनाव में प्रचार की जिम्मेदारी सौंपी है। इनमें सर्वश्री रामवृक्ष सिंह यादव पूर्व एमएलसी, प्रदीप तिवारी राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी लोहिया वाहिनी, अरविन्द यादव राष्ट्रीय उपाध्यक्ष यूथ ब्रिगेड, विकास यादव पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी युवजन सभा तथा मनीष सिंह पूर्व राष्ट्रीय महासचिव समाजवादी युवजन सभा प्रमुख है।

आत्मनिर्भर भारत : सारंग और धनुष को टक्कर देगी कानपुर में बनी स्वदेशी माउंटेड गन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

एडवांस वेपंस एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड (फील्ड गन फैक्ट्री) की कानपुर इकाई ने एक और उपलब्धि हासिल की है। फैक्ट्री के इंजीनियरों ने स्वदेशी धनुष और सारंग गन (तोप) से उन्नत माउंटेड गन (तोप) तैयार की है। 10 मई को इटारसी में स्थित केंद्रीय प्रमाण प्रतिष्ठान (सेंट्रल प्रूफ इस्टैब्लिशमेंट) में माउंटेड गन से गोले दागकर परीक्षण किया। मानकों पर खरा उतरने पर सैन्य अफसरों ने उसको हरी झंडी दे दी। फैक्ट्री की स्वदेशी माउंटेन गन तैयार होने से अब भारतीय सेना को स्वीडन सहित अन्य देशों के भरोसे नहीं रहना पड़ेगा।

एडवांस वेपंस एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड (फील्ड गन फैक्ट्री) के महाप्रबंधक तुषार त्रिपाठी व अपर महाप्रबंधक दिनेश सिंह के निर्देशन में इंजीनियरों ने स्वदेशी धनुष व सारंग गन से अधिक एडवांस और फायरिंग रेंज क्षमता वाली गन तैयार करने का लक्ष्य लेकर उसकी डिजाइन तैयार की। माउंटेड गन सिस्टम 155 गुणा 52 कैलिबर की स्वदेशी बैरल से तैयार गन को परीक्षण के लिए इटारसी भेजा गया जहां एक के बाद एक कई गोले दागकर परीक्षण किया गया। महज दो माह में तैयार की गई स्वदेशी माउंटेड गन को फौज के मानकों पर परखने के बाद सैन्य अधिकारियों ने उसे परीक्षण में पास कर दिया।

इंजीनियरों ने ऐसे लिया लक्ष्य : धनुष की सात मीटर बैरल से फायर रेंज 38 किमी तक था। फील्ड गन फैक्ट्री के इंजीनियरों ने उससे

अधिक रेंज के लिए माउंटेड गन की बैरल को आठ मीटर लंबा किया। बैरल की लंबाई बढ़ाने पर गन (तोप) की फायरिंग रेंज 48 किमी तक पहुंच गई।सेना की अब स्वीडन पर न होगी

निर्भरता : फील्ड गन फैक्ट्री के अधिकारी बताते हैं कि सेना अभी तक माउंटेड गन के लिए स्वीडन सहित दूसरे देशों को आर्डर देती थी। स्वदेशी माउंटेड गन का परीक्षण सफल होने से अब सेना द्वारा कानपुर फील्ड गन फैक्ट्री को आर्डर दिए जाने की संभावना बढ़ी है। महाप्रबंधक तुषार त्रिपाठी के मुताबिक माउंटेड गन को ट्रक से एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाया जा सकेगा।

क्या है माउंटेड गन सिस्टम : जिस तोप को गाड़ी के पीछे लगे हुक में फंसा कर ले जाया जाता उसको टोड गन सिस्टम कहते हैं जिस पर भारतीय सेना की निर्भरता अधिक है। वहीं, जिस तोप को ट्रक से परिवहन किया जा सकता है उसको माउंटेड गन सिस्टम या माउंटेड गन या फिर माउंटेड तोप कहते हैं। अब इस उपलब्धि के साथ ही आत्मनिर्भर बहरत की गति में और भी तेज़ी आने की उम्मीद है।

भद्रराज मेले को मिलेगी राजकीय मेले की अनुदान राशि : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क (फ़िरोज़ गांधी)

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने श्री भद्रराज देवता के मंदिर में पूजा कर प्रदेश की सुख एवं समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भद्रराज मंदिर में आयोजित मेले में भी हिस्सा लिया । मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि भद्रराज मेले के लिए राजकीय मेले की अनुदान राशि प्रदान की जाएगी। दुधली-डिगोली मोटर मार्ग के डामरीकरण के लिए इसी वित्तीय वर्ष में धनराशि स्वीकृति की जाएगी। भद्रराज मंदिर में पेयजल एवं विद्युत की व्यवस्थाओं को प्राथमिकता में रखा जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र की विभिन्न मांगों का परीक्षण कर उचित समाधान किया जायेगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि पहले मेले मिलन के केंद्र होते थे। आज ज्ञान और विज्ञान की प्रगति से हर सुविधा आसानी से मिल जाती हैं, लेकिन हमें अपनी पुरानी संस्कृति और परंपराओं को बनाए रखना होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे स्थान हमारी संस्कृति, अध्यात्म एवं परम्पराओं को मजबूत करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड अध्यात्म और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण राज्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य में हर क्षेत्र में कार्य हो रहे हैं। श्री केदारनाथ में अनेक पुनर्निर्माण के कार्य हुए है। चारधाम यात्रा के लिए श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए हर संभव सुविधा प्रदान करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए राज्य सरकार कृत संकल्पित है। राज्य की विकास यात्रा को सबके सहयोग से आगे बढ़ाया जाएगा। राज्य सरकार सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखते हुए कार्य कर रही है। कोरोना काल में हर वर्ग को राहत देने का प्रयास राज्य सरकार द्वारा किया गया। 184000 अंत्योदय कार्ड धारकों को साल में तीन सिलेंडर मुफ्त दिए जायेंगे।इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, मसूरी के नगर पालिका अध्यक्ष अनुज गुप्ता, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष मसूरी मन्नू मल्ल, ओपी उनियाल, भद्रराज मंदिर समिति के अध्यक्ष राजेश नौटियाल, उपाध्यक्ष बलवंत सिंह तोमर, सचिव शिवराज सिंह तोमर आदि उपस्थित थे।

द पॉली किड्स ने मदर्स डे मनाया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून-15 मई 2022- द पॉली किड्स डालनवाला, राजपुर रोड और सलावाला ब्रांच ने मदर्स डे मनाया और सभी माताओं के लिए प्यार, सम्मान और आभार व्यक्त किया। 'हवाईयन-अलोहा' की थीम पर आधारित, माताएँ सुंदर फूलों वाले भारतीय और पश्चिमी परिधानों में सज-धज कर आईं। उन्होंने रैंप वॉक, फन गेम्स, तंबोला और डांस जैसी विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया।

इस मौके पर जज डॉ. प्राची चंद्रा और डॉ. याशना बाहरी सिंह के साथ चेयरमैन, कैप्टन मुकुल महेंद्रू और डायरेक्टर श्रीमती रंजना महेंद्रू, श्रीमती माधवी भाटिया मौजूद थीं और सभी आयोजित कार्यक्रमों के विजेताओं को खिताब और पुरस्कार प्रदान करें।

द पॉली किड्स डालनवाला, राजपुर रोड और सलावाला ब्रांच के टीचिंग स्टाफ ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मनोरंजन किया। वरिष्ठ कक्षाओं के छात्रों ने भाषण और कविताओं के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए और अपनी माताओं के लिए अपना प्यार दिखाया। शाम का समापन मौजुद जज के प्रोत्साहन और प्रशंसा के

शब्दों के साथ हुआ।

द पॉली किड्स वसंत विहार, निंबुवाला, तुनवाला, बंजारावाला, जोगीवाला, आईएसबीटी, आमवाला, रांझावाला, जॉलीग्रांट, ऋषिकेश, जम्मू, रायपुर (छ.ग.), बहराइच, आगरा शाखाओं मदर्स डे समारोह का आयोजन पूरे जोश और उत्साह के साथ मनाया गया।

रजिस्ट्रेशन जांच करके ही चारधाम यात्रा शुरू करें तीर्थयात्री!

उत्तराखंड स्वास्थ्य विभाग की हेल्थ एडवाइजरी का करें अनिवार्य रूप से पालन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड के सरकार ने देश भर से चारधाम यात्रा पर आने वाले तीर्थयात्रियों को यात्रा आरंभ करने से पूर्व अनिवार्य रूप से रजिस्ट्रेशन करने की सलाह दी है। सचिव पर्यटन दिलीप जावलकर ने बताया कि चार धाम आने वाले श्रद्धालुओं की यात्रा सुखद एवं सुरक्षित हो सके इसके लिए विभिन्न धामों की वहन क्षमता के अनुरूप रजिस्ट्रेशन की सीमा तय की गई है। पता तीर्थयात्री रजिस्ट्रेशन की उपलब्धता की जांच करने के बाद ही यात्रा आरंभ करें। इसके साथ ही सभी यात्रियों को चार धाम यात्रा हेतु प्रस्थान के पूर्व हेल्थ एडवाइजरी का अध्ययन एवं अनुपालन करने की हिदायत दी गई है।

पर्यटन विभाग ने प्रदेश में तीर्थयात्रियों के रजिस्ट्रेशन की एक निश्चित सीमा निर्धारित की है। बिना रजिस्ट्रेशन कराये उत्तराखंड पहुंचने वाले यात्रियों को रजिस्ट्रेशन उपलब्ध ना होने की दशा में ऋषिकेश से आगे जाने की इजाजत नहीं होगी। विभाग ने यह भी कहा है कि तीर्थयात्री रजिस्ट्रेशन कराने के बाद नियत तारीख पर ही यात्रा आरंभ करने के लिए उत्तराखंड पहुंचे। साथ ही रहने के लिए होटल आदि की बुकिंग भी रजिस्ट्रेशन कराने के बाद ही करें। सचिव पर्यटन श्री दिलीप जावलकर ने कहा है कि जिन तिथियों में निर्धारित सीमा तक रजिस्ट्रेशन हो चुका है उनके लिए कोशिश कर रहे तीर्थयात्रियों को अगली उपलब्ध तिथियों पर रजिस्ट्रेशन कराना चाहिए। उन्होंने कहा कि पंजीकरण करते समय श्रद्धालु उपलब्धता की जांच करने के बाद ही अपना टूर प्लान करें। यात्रा के लिए पंजीकरण registrationandtouristcare.uk.gov.in पर कराया जा सकता है। ज्ञात हो कि स्थानीय पुलिस एवं प्रशासन द्वारा बिना रजिस्ट्रेशन के पर्यटकों को चार धाम यात्रा पर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

विभाग का कहना है कि चारधाम की यात्रा पर आने से पूर्व तीर्थयात्रियों को अपने स्वास्थ्य की पूर्ण जांच करानी चाहिए ताकि उन्हें ऊंचे हिमालय क्षेत्र की विशेष भौगोलिक परिस्थितियों की वजह से किसी तरह की परेशानी न उठानी पड़े।

चारधाम यात्रा में समस्त तीर्थ स्थल उच्च हिमालयी क्षेत्र में स्थित हैं। इनकी ऊंचाई समुद्र तल से 2700 मीटर से भी अधिक है। इन स्थानों पर तीर्थयात्री अत्यधिक ठंड, कम आद्रता, अत्यधिक अल्ट्रा वॉयलेट रेडिएशन, कम हवा का दबाव और कम ऑक्सीजन की मात्रा से प्रभावित हो सकते हैं। तीर्थयात्रियों की सुगम एवं सुरक्षित यात्रा हेतु स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्वास्थ्य संबंधी एडवाइजरी जारी की गई है। यह उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद (यूटीडीबी) के फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, यूट्यूब, लिंक्डइन जैसे सोशल मीडिया अकाउंट सहित विभाग की आधिकारिक वेबसाइट uttarakhandtourism.gov.in पर भी उपलब्ध है। विभाग ने यात्रियों को यात्रा शुरु करने से पहले हेल्थ एडवाइजरी पढ़ने की सलाह दी है।

चार धाम मार्ग पर वाहनों की जांच से न हो जाम के हालात : रणवीर सिंह चौहान, आयुक्त परिवहन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड के परिवहन आयुक्त रणवीर सिंह चौहान ने परिवहन विभाग की यात्रा चेक पोस्ट भद्रकाली का निरीक्षण किया , और कई अहम निर्देश दिए।

भद्रकाली चेक पोस्ट पर गंगोत्री और यमुनोत्री जा रहे व्यावसायिक यात्री वाहनों को ग्रीन कार्ड और ट्रिप कार्ड की जांच के लिए रोका जाता है। भद्रकाली से बद्रीनाथ-केदारनाथ हाईवे के वाहन भी होकर गुजरते हैं। वाहनों की भारी भीड़ के कारण अत्यधिक जाम की स्थिति थी।

परिवहन आयुक्त ने चेकपोस्ट प्रभारी को निर्देश दिए कि वाहनों की जांच इस प्रकार की जाय कि जाम की स्थितियां उत्पन्न न हों। वाहनों के ग्रीन कार्ड व ट्रिप कार्ड की फ़ोटो खींच ली जाय व वाहनों को जाने दिया जाय। वाहनों की प्रविष्टि बाद में की जाय। साथ ही उनके द्वारा भद्रकाली चेकपोस्ट को भद्रकाली - नरेंद्रनगर मार्ग पर अन्यत्र स्थान्तरित करने हेतु स्थान को चिन्हित करने हेतु भी निर्देश दिए गए ।

निरीक्षण के समय संयुक्त परिवहन आयुक्त एस0के0 सिंह, आर0टी0ओ0 प्रशासन देहरादून डी0सी0 पठोई, ए0आर0टी0ओ0 प्रशासन ऋषिकेश अरविंद पांडेय, ए0आर0टी0ओ0 प्रवर्तन ऋषिकेश मोहित कोठारी, ए0आर0टी0ओ0 टिहरी चक्रपाणि मिश्र उपस्थित थे।

फ़र्ज़ और ड्यूटी में जोश बढ़ाने ले लिए एसपी श्वेता चौबे बांट रही राहत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चारधाम यात्रा के दौरान सुचारू यातायात व्यवस्था बनाये रखना पुलिस के लिए मुख्य चुनौती है।कभी कड़ी धूप है तो कभी तेज बारिश , किन्तु सुरक्षित यात्रा का संकल्प चमोली पुलिस के लिए सरोष है। लिहाज़ा टीम को हौसला और जोश से लबरेज़ रखना कप्तान के जिम्मे होता है। एसपी श्वेता चौबे भी कुछ इसी फ़र्ज़ को बखूबी निभाते हुए अपने एक एक पुलिस कर्मी की सेहत और स्वास्थ्य को लेकर गंभीर है।आपको बता दें कि सुचारू यातायात व्यवस्था बनाये रखने में चमोली पुलिस के जवान चौबीस घण्टे सड़कों पर डटे हुए हैं।

ऐसे में पुलिस अधीक्षक चमोली श्वेता चौबे द्वारा यातायात व्यवस्था ड्यूटी में नियुक्त पुलिसकर्मियों की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों को देखते हुए जोशीमठ क्षेत्र में कामेठ, मारवाड़ी,जीरो प्वाइंट,सेलंग, आदि स्थानों पर यातायात व्यवस्था ड्यूटी में नियुक्त पुलिस कर्मियों को तरोताजा रखने हेतु कोतवाली जोशीमठ के माध्यम से समय समय पर पौष्टिक और एनर्जी ड्रिंक के साथ जलपान की व्यवस्था सुनिश्चित कर रही हैं।

जिसके तहत यातायात ड्यूटी में नियुक्त सभी पुलिसकर्मियों को नाश्ता एवं जूस वितरित किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे की मानवीय पहल का मुख्य उद्देश्य कठिन परिस्थितियों में ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मियों के उत्तम स्वास्थ्य को बनाये एवं मनोबल को ऊँचा उठाना है,जिससे पुलिस कर्मी पूरी ऊर्जा के साथ अपनी ड्यूटी और फ़र्ज़ को निभा सकें।

पहाड़ के योद्धा कफ्फू चौहान को चाहिए पर्यटन विभाग की नज़र ए इनायत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क (मो0 अरशद)

गढ़वाल हो या कुमायूं उत्तराखंड की वीर भूमि पर अनेकों ऐसे महँ विभूतियों ने जन्म लिया है जिनके जीवन चरित्र से आज की युवा पीढ़ी अनजान है। वजह साफ़ है कि कुछ एक शख्सियतों को छोड़ दें तो आज भी पहाड़ों के वीर योद्धाओं और देवभूमि के जांबाज़ नामों को नज़रअंदाज़ किया जाता रहा है। एक ऐसी ही बेमिसाल राजा को हमारी सरकारों और नेताओं ने जैसे भुला ही दिया है। क्योंकि पहाड़ में अनेकों ऐसी वीर योद्धाओं की गौरवशाली कहानियां है जो आज हमारे नयी पीढ़ी को मालूम होना ही चाहिए। लेकिन चंद गांव को छूड दें तो यकीनन हमारी युवा पीढ़ी महान राजा कफ्फू चौहान के बारे में जानती ही नहीं है। ऐसे में पर्यटन विभाग और सरकार को इन योद्धाओं की स्मृतियों को संजोते हुए प्रचारित और प्रसारित ज़रूर करना चाहिए। न्यूज़ वायरस ऐसे ही गुमनाम योद्धा कफ्फू चौहान की कहानी बता रहा है।

उप्पुगढ़ 16वीं सदी के गढ़वाल में 52 गढ़ों में एक माना जाता था। इतिहासकार बताते हैं कि लगातार हमलों के बाद भी यहां के बाशिंदों ने कभी भी बाहरी लोगों की दासता स्वीकार नहीं की। इसी उप्पुगढ़ की धरती में पैदा हुए थे एक वीर, जिनका नाम था कफ्फू चौहान। इस वीर ने अपनी प्रजा की आजादी के लिए राजा अजयपाल की अधीनता कभी स्वीकार नहीं की।गढ़वाल के सोमपाल वंश का 37वां राजा था अजयपाल , बताया जाता है कि अजयपाल ने चांदपुर गढ़ के विस्तार के लिए गढ़वाल के अन्य 52 गढ़ों को जीतने का संकल्प लिया था। उस वक्त अजयपाल के पास महज 4 गढ़ थे लेकिन, अपनी विशाल सेना के दम पर वह गढ़वाल के बाकी सभी गढ़ों को जीतने के मकसद से निकल पड़ा। इन 52 गढ़ों में आखिरी गढ़ था उप्पुगढ़ , लेकिन उप्पुगढ़ के राजा कफ्फू चौहान ने अजयपाल के सामने आत्मसमर्पण करने से इंकार दिया। बताया जाता है कि राजा अजयपाल ने दीपावली के कुछ दिन पहले उप्पुगढ़ पर आक्रमण किया था, उस वक्त उप्पुगढ़ के लोग दिवाली की तैयारी कर रहे थे।

जब कफ्फू चौहान अपनी माता और रानी की मौत के बारे में सुने तो गम के चलते वह अपने सिर के बाल काट देते हैं। ऐसा माना जाता था कि कफ्फू चौहान को वरदान प्राप्त था कि जब तक उसके सिर में बालों की जटा रहेगी, उसे कोई हरा नहीं सकता। इस बीच युद्ध भूमि में राजा अजयपाल की सेना ने कफ्फू चौहान और उसकी सेना को बंदी बना दिया , वीर कफ्फू चौहान को मौत की सजा मिली। लोग ऐसा भी बताते हैं कि राजा अजयपाल ने अपने सैनिकों को आदेश दिया था कि कफ्फू चौहान की गर्दन इस प्रकार काटी जाए कि धड़ से अलग होने के बाद सिर का हिस्सा उसके पैरो पर गिरे। लेकिन, इस बीच कफ्फू चौहान ने मुंह में रेत भर दी. सैनिकों ने कफ्फू का सिर कलम किया लेकिन राजा अजयपाल के पैरों में रेत गिरी और सिर का हिस्सा दूसरी ओर। इस घटना से प्रभावित होकर राजा अजयपाल ने भागीरथी नदी के किनारे कफ्फू चौहान के शव का अंतिम संस्कार किया।

राजा अजयपाल के इतिहास पर नजर डालें तो साल 1512 में अजयपाल ने अपनी राजधानी देवलगढ़ में स्थानांतरित की थी। 1517 में ही उसने अपनी राजधानी श्रीनगर बनाई। इसी दौरान राजा अजयपाल ने गढ़वाल के 52 गढ़ों को जीतकर एक बड़े साम्राज्य की स्थापना की थी। आज उप्पुगढ़ में चौहान जाति के सभी लोग वीर कफ्फू चौहान के वंशज माने जाते हैं। ऐसा कहा जाता है कि कफ्फू का एक गूंगा भाई भी था। जो हमले के वक्त गांव से बाहर गया था , उसी ने चौहान वंश को आगे बढ़ाया।अजयपाल ने राजा कफ्फू चौहान की वीरता के किस्से सुने थे। इसलिए उसने रात के वक्त भागीरथी नदी के बाएं तरफ रमोगढ़ की सीमा से उप्फुगढ़ पर हमला बोल दिया। हमले की खबर सुनकर कफ्फू चौहान अपने सैनिकों के साथ राजा अजयपाल की सेना पर टूट पड़े। लोग ऐसा कहते हैं कि कफ्फू चौहान ने अजयपाल की सेना को उप्पुगढ़ की सीमा से 15 किलोमीटर दूर अठूर जोगियाणा तक खदेड़ दिया। इस बीच कफ्फू चौहान की मां और पत्नी को युद्ध भूमि से कफ्फू चौहान के वीरगति की झूठी सूचना मिली। इस गम में दोनों ने जलती चिता में कूद लगाकर जीवन लीला समाप्त कर दी।

तरसते होठों को पानी की आस विभाग तसल्ली से बुझा रहा प्यास

न्यूज़ वायरस नेटवर्क (आशीष तिवारी)

गंगा के मायके में जहां अनेकों झरने , अनगिनत जल स्रोत हों वहां के लोगों के हलक सूखे रहे ये सुनकर ही हैरानी होगी लेकिन ये सच उत्तराखंड के लोगों को झेलना ही पड़ रहा है। जैसे जैसे पहाड़ों में गर्मी बढ़ने लगी इसके साथ ही मुसीबत भी आगे बढ़ने लगी। क्या पहाड़ क्या मैदान और क्या बस्तियां , पेयजल की आपूर्ति कमज़ोर पड़ती तो भी काम चलता रहता लेकिन यहाँ तो पूरी व्यवस्था ही लड़खड़ाने लगी है। एक आंकड़े के मुताबिक लगभग 375 पेयजल योजनाएं आज संकट में हैं। इनमें 46 शहरी और 329 ग्रामीण क्षेत्र की बताई जा रही हैं। कुल 274 शहरी और 534 ग्रामीण क्षेत्रों के मोहल्लों और बस्तियों के लोग पीने के पानी के लिए तरस रहे हैं।

हालात ये हैं कि अब विभाग को यहां 71 पानी के टैंकरों के साथ ही किराये के 208

टैंकरों से जलापूर्ति शुरू करनी पड़ रही है। पेयजल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि गर्मियों के इस सीजन में करीब 103 करोड़ रुपये के खर्च से संकट दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए 114 जेनरेटर लगाए गए हैं। पिछले डेढ़ माह में 56 नए हैंडपंप लगाने का काम तेजी से चल रहा है, जिसमें शहरी क्षेत्रों के 14 और ग्रामीण क्षेत्रों के 42 हैंडपंप शामिल हैं। इसी प्रकार, विभाग की ओर से 58 हैंडपंपों में कोरा पंप डालकर पेयजल आपूर्ति की जा रही है।

जल संस्थान ने ऐसे गांवों में खच्चरों के माध्यम से पानी की आपूर्ति शुरू की है, जहां सीधे सड़क से पानी का टैँकर नहीं जा सकता है। आसपास के पेयजल स्रोत से जल संस्थान की टीमें यहां पानी पहुंचाने का काम कर रही हैं। गर्मियों में पेयजल संकट दूर करने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों पर शासन ने दो नोडल अधिकारी बनाए हैं। इनमें एक पेयजल निगम और एक जल संस्थान का अधिकारी शामिल है। यह आपसी समन्वय से पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था बनाने में जुटे हुए हैं। लेकिन लोगों को तो पीने को पर्याप्त पानी चाहिए क्योंकि तसल्ली से प्यास कहाँ बुझती है।

संपादकीय

गेहूं निर्यात पर पाबंदी

भारत सरकार ने अचानक और तुरंत प्रभाव से गेहूं के निर्यात पर पाबंदी लगा दी है। यह सामयिक, कारगर और राष्ट्रीय निर्णय है। राष्ट्रीय संदर्भ इसलिए जरूरी है, क्योंकि हम 2005-07 के दौरान गेहूं का संकट झेल चुके हैं। तब भारत को 71 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा गेहूं का आयात करना पड़ा था। भारत ने कई देशों को गेहूं निर्यात भी किया था, लेकिन बाद में सार्वजनिक वितरण प्रणाली और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के लिए गेहूं की उपलब्धता कम पड़ी। स्टॉक करने वाले उद्योगपतियों ने भी सरकार को खुलासा नहीं किया कि उनके गोदामों में कितना गेहूं उपलब्ध है। हार कर गेहूं का आयात करना पड़ा। आयात की मात्रा भी काफी थी और गेहूं महंगे दामों पर खरीदना पड़ा था। तब न तो रूस-यूक्रेन युद्ध से उपजे वैश्विक हालात थे और न ही भारत में खाद्य सुरक्षा कानून था। इस कानून के तहत औसत नागरिक की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। अब कोरोना-काल से प्रधानमंत्री गरीब अन्न योजना के तहत 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त अनाज भी बांटा जा रहा है। यह योजना फिलहाल सितंबर, 2022 तक चलनी है। यदि इसे मार्च, 2023 तक विस्तार दिया गया, तो गेहूं का संकट पैदा हो सकता है। गोदामों में गेहूं की उपलब्धता कम पड़ सकती है। भारत सरकार किसी भी तरह का जोख़िम नहीं उठा सकती थी, लिहाजा तुरंत निर्यात पर पाबंदी चस्पा करनी पड़ी। हालांकि सरकार का दावा है कि गोदामों में गेहूं का पर्याप्त भंडार है। हम इस दावे को कबूल कर भी लें, तो भारत 69 देशों को गेहूं का निर्यात कर रहा है, हालांकि मई 2022 में अभी तक 14.63 लाख मीट्रिक टन गेहूं का निर्यात 2022-23 के दौरान किया गया है। केंद्रीय उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बीते माह खुलासा किया था कि भारत इस बार 100 लाख टन से अधिक गेहूं का निर्यात करेगा। विदेशों में सरकारी प्रतिनिधिमंडल भी भेजे गए थे कि भारत गेहूं उपलब्ध कराने की स्थिति में है, लेकिन अचानक सभी समीकरण और लक्ष्य बिगड़ गए और सरकार को गेहूं के निर्यात पर पाबंदी लगानी पड़ी। सिर्फ वे कंपनियां ही निर्यात कर सकेंगी, जिन्हें लेटर ऑफ क्रेडिट (एलओसी) प्राप्त हो चुका है। वे कंपनियां कौन-सी हैं और कितना गेहूं, किन देशों को निर्यात करेंगी, इसका खुलासा सरकार ने नहीं किया है। मौजूदा संकट की मूल वजह यह है कि मौसम की अप्रत्याशित मार, समय से पहले ही भयंकर गर्मी और लू, ने गेहूं की पिछौती फसल को बुरी तरह प्रभावित किया। गेहूं का दाना ही लगभग मर गया। उत्पादन कम हुआ, तो सरकार ने अपनी खरीद को करीब 440 लाख मीट्रिक टन से घटाकर 195 लाख टन कर दिया। प्रधानमंत्री अन्न योजना में गेहूं के बजाय चावल कर दिया गया। ओडिशा में तो 100 फीसदी चावल ही बांटा जा रहा है। जिन एक दर्जन राज्यों को अनाज की आपूर्ति की जानी थी, उसे भी 50 फीसदी घटा दिया गया है अथवा फिलहाल रोक दिया गया है। खरीद का जो लक्ष्य तय किया था, उसमें भी करीब 165 लाख मीट्रिक टन की ही सरकारी खरीद हो पाई है।

जानिए मौत के बाद भी यूएई के राष्ट्रपति शेख खलीफा की क्यों हो रही चर्चा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अबू धाबी के शासक और संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के राष्ट्रपति शेख खलीफा बिन जायद अल नाहयान को अमेरिका समेत पश्चिमी देशों और भारत का मित्र माना जाता था.... प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'महान व दूरदर्शी राजनेता' बताते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी है ... भारत सरकार ने उनके निधन पर एक दिन के राष्ट्रीय शोक की भी घोषणा कर अपनी मित्रता का प्रदर्शन किया। यूएई में 40 दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है.... आइए बताते हैं, शेख खलीफा बिन जायद अल नाहयान के बारे में रोचक बातें जिसकी वजह से आज वो लोगों के बीच न होकर भी चर्चाओं में हैं।

अमीरात के 16वें शासक

1948 में जन्मे शेख खलीफा यूएई के दूसरे राष्ट्रपति और अबू धाबी अमीरात के 16वें शासक थे... यूएई का राष्ट्रपति बनने के बाद शेख खलीफा ने संघीय सरकार और अबू धाबी की सरकार के पुनर्गठन में बड़ी भूमिका निभाई थी... उनके शासन में यूएई ने विकास की नई बुलंदियों को छुआ... वह यूएई के संस्थापक और पहले राष्ट्रपति शेख जायद बिन सुल्तान अल नाहयान के सबसे बड़े बेटे थे... पिता के निधन के बाद शेख खलीफा 3 नवंबर, 2004 को यूएई के राष्ट्रपति और अबू धाबी के शासक बने... शेख खलीफा पिछले कई सालों से बीमार थे.. 2014 में स्ट्रोक के बाद उनकी सर्जरी हुई थी... तब से वह कभी-कभार ही सार्वजनिक रूप से नजर आते थे....

दौलत इतनी कि हर कोई चकरा जाए

शेख खलीफा दुनिया के सबसे अमीर लोगों में से एक माने जाते हैं.. उनके पास कुल कितनी संपत्ति है, इसका कोई सटीक आंकड़ा नहीं है... लेकिन फोर्ब्स की एक रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि उनकी कुल संपत्ति 830 अरब डॉलर से ज्यादा की है... रुपये में गिनें तो ये रकम लगभग 64 हजार अरब रुपये बैठती है... ये रकम पाकिस्तान के कुल बजट से 18 गुना ज्यादा बताई जाती है .. इसमें 97.8 अरब डॉलर से ज्यादा के निजी तेल भंडार भी शामिल हैं... मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शेख खलीफा की संपत्ति 150 अरब डॉलर से ज्यादा की है...

बुर्ज दुबई ऐसे बना बुर्ज खलीफा

दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा से भी शेख खलीफा का खास संबंध है. इस इमारत का नाम पहले बुर्ज दुबई था... लेकिन शेख खलीफा को सम्मान देने के लिए इसका नाम बदलकर बुर्ज खलीफा कर दिया गया... दरअसल 2009 में पूरी दुनिया में आर्थिक संकट के दौरान दुबई की अर्थव्यवस्था भी खतरे में पड़ गई थी... तब शेख खलीफा ने अरबों डॉलर की मदद देकर दुबई को बर्बाद होने से बचाया... तब दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशित अल-मख्तूम ने 2010 में शेख खलीफा के सम्मान में सबसे ऊंची इमारत का नाम बदलकर बुर्ज खलीफा कर दिया था ...

त्रिपुरा के 11वें सीएम बने माणिक साहा, 6 साल पहले कांग्रेस छोड़ थामा था भाजपा का दामन

नई दिल्ली (एजेंसी)। माणिक साहा ने त्रिपुरा के नए सीएम के तौर पर शपथ ली है। वह राज्य के 11वें मुख्यमंत्री बने हैं। उन्हें बिप्लव देव के इस्तीफे का बाद भाजपा ने यह जिम्मेदारी सौंपी है। राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य ने चमचमाते दरबार हॉल में एक सादे समारोह में साहा को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। साहा ने अकेले ही शपथ ली क्योंकि मुख्यमंत्री के अचानक बदलने के बाद विधायकों और पार्टी पदाधिकारियों के बीच बड़े पैमाने पर कथित असंतोष के कारण पार्टी ने अभी तक उनके कैबिनेट सदस्यों की सूची को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है।

बिप्लव कुमार देव के मंत्रिमंडल में उपमुख्यमंत्री जिष्णु देव वर्मा और राम प्रसाद पॉल सहित तीन पूर्व मंत्री तथा कई विधायक शपथ ग्रहण समारोह से दूर रहे। विप्लव देव हालांकि रतन लाल नाथ और आईपीएफटी नेता एवं पूर्व आदिवासी कल्याण मंत्री मेवार कुमार जमातिया तथा कुछ अन्य विधायकों और भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के साथ शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे। सीएम बनने के बाद साहा ने कहा, हम पीएम मोदी और बीजेपी के विकास के मुद्दे को लेकर आगे बढ़ेंगे। हम त्रिपुरा के लोगों के मुद्दों को हल करने के साथ-साथ राज्य में कानून-व्यवस्था को भी बढ़ाएंगे। हमारे लिए कोई राजनीतिक चुनौती नहीं है। साहा कांग्रेस छोडक़र 2016 में भाजपा में शामिल हो गए थे। भाजपा में आने के बाद माणिक को चार साल बाद 2020 में प्रदेश पार्टी अध्यक्ष बनाया गया। वह त्रिपुरा क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष भी बने। साहा को हाल ही में राज्यसभा के लिए नामांकित किया गया था और अब उन्हें नए सीएम के रूप में घोषित किया गया है। माणिक साहा पेशे से डेंटिस्ट हैं और उनकी छवि बेहद साफ-सुथरी मानी जाती है। माणिक को भाजपा में किसी खेमे का नहीं माना जाता है।

कश्मीरी पंडितों पर हमला सीधे कश्मीर की आत्मा पर है अटैक : फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर (एजेंसी)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कश्मीरी पंडितों पर हमले की तीखी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि कश्मीरी पंडितों पर होने वाला हर हमला कश्मीर की आत्मा पर सीधा हमला है। हत्या की घटनाओं में बढ़ोतरी घाटी में सामान्य स्थिति होने संबंधी सरकार के दावों के विपरीत है। पार्टी के एक प्रवक्ता के अनुसार, श्रीनगर से सांसद अब्दुल्ला ने पार्टी के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष अमित कौल के नेतृत्व में कश्मीरी पंडितों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत के दौरान ये बातें कहीं।

अब्दुल्ला ने कहा, हमारे पंडित भाइयों पर हर हमला कश्मीर की आत्मा पर सीधा हमला है। मैं ऐसा समय देखना चाहता हूं, जब कश्मीरी मुसलमान और कश्मीरी पंडित दोनों साथ-साथ रहें। हालांकि, मौजूदा सरकार केवल दिखावे तक ही सीमित है। उनकी सुरक्षित और स्थायी वापसी के लिए एक सक्षम वातावरण बनाने के वास्ते जमीनी स्तर पर कोई प्रयास नहीं किए जा रहे।

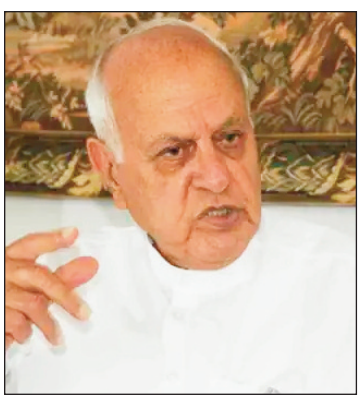

राहुल भट्ट की आतंकवादियों ने की हत्या

गौरतलब है कि 2010-11 में जम्मू-कश्मीर में प्रवासियों के लिए विशेष रोजगार पैकेज के तहत क्लर्क की नौकरी पाने वाले राहुल भट्ट की आतंकवादियों ने बडगाम जिले के चडूरा कस्बे में गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस घटना के बाद प्रतिनिधिमंडल ने अब्दुल्ला से मुलाकात की।

खुफिया और सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने का निर्देश

वहीं, जम्मू कश्मीर के पुलिस प्रमुख दिलबाग सिंह ने पुलिस अधिकारियों को अपने-अपने इलाकों में खुफिया और सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने का निर्देश दिया। सिंह ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें उन्होंने चालू वित्त वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्यों में प्रगति की भी समीक्षा की। पुलिस प्रमुख ने आतंकवाद रोधी अभियानों को बढ़ाने और उन सभी संदिग्ध तत्वों पर निगाह रखने के निर्देश दिए जो आंतकी गतिविधियों के लिए किसी भी प्रकार का सहयोग देते हों।

प्रधानमंत्री आज वैशाख बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर लुंबिनी में एक अद्वितीय बौद्ध संस्कृति एवं विरासत केंद्र के निर्माण के लिए शिलान्यास समारोह में हिस्सा लेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 16 मई, 2022 को वैशाख बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर लुंबिनी की अपनी सरकारी यात्रा के दौरान लुंबिनी मठ क्षेत्र के भीतर एक अद्वितीय बौद्ध संस्कृति एवं विरासत केंद्र के निर्माण के लिए शिलान्यास समारोह में हिस्सा लेंगे। प्रधानमंत्री मंत्री लुंबिनी में पवित्र मायादेवी मंदिर जाकर पूजा अर्चना करेंगे। प्रधानमंत्री नेपाल सरकार के तत्वावधान में लुंबिनी डेवलपमेंट ट्रस्ट द्वारा आयोजित बुद्ध जयंती कार्यक्रम में भी भाषण देंगे।

एक व्यापक अपील के बाद भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की वित्तीय सहायता से लुंबिनी डेवलपमेंट ट्रस्ट के तत्वावधान में इंटरनेशनल बुद्धिस्ट कॉन्फ़ेडरेशन (आईबीसी) द्वारा अद्वितीय इंडिया इंटरनेशनल सेंटर फॉर बुद्धिस्ट कल्चर एंड हेरिटेज का निर्माण किया जाएगा। इंटरनेशनल बुद्धिस्ट कॉन्फ़ेडरेशन, संस्कृति मंत्रालय के तहत एक अनुदान प्राप्त संस्था है। बौद्ध केंद्र नेपाल में पहला 'नेट जीरो इमिशन' भवन होगा।

संस्कृति मंत्रालय इस अवसर पर इंटरनेशनल बुद्धिस्ट कॉन्फ़ेडरेशन (आईबीसी) के सहयोग से नई दिल्ली में वैशाख बुद्ध पूर्णिमा दिवस समारोह के लिए एक रंगारंग कार्यक्रम भी आयोजित करेगा। नेपाल के लुंबिनी में दिन में शुरू में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बौद्ध संस्कृति एवं विरासत केंद्र के शिलान्यास समारोह को पर्दे पर दिखाना इस आयोजन का मुख्य आकर्षण होगा।

विभिन्न बौद्ध स्थलों से मंत्रोच्चार के साथ कार्यक्रम दोपहर बाद 2:00 बजे शुरू होगा, जिसे पर्दे पर दिखाया जाएगा।

इस आयोजन के मुख्य अतिथि भारत सरकार के कानून एवं न्याय मंत्री किरेन रिजिजू होंगे, जबकि भारत सरकार के संस्कृति, पर्यटन एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री जी. किशन रेड्डी विशिष्ट अतिथि और संस्कृति राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल विशेष अतिथि के रूप में होंगे।

पवित्र वैशाख बुद्ध पूर्णिमा दिवस पर लुंबिनी बौद्ध केंद्र का शिलान्यास के अवसर पर प्रधानमंत्री की नेपाल यात्रा का समय महत्वपूर्ण है। इस दिन को को तीन मंगल कारणों से महत्वपूर्ण माना जाता है, जो भगवान बुद्ध के जन्म, ज्ञान और महापरिनिर्वाण का प्रतीक है। इसी दिन बुद्ध का जन्म नेपाल में लुम्बिनी में हुआ था, उन्होंने बिहार के बोधगया में ज्ञान प्राप्त किया, सारनाथ में अपना पहला उपदेश दिया और उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में निर्वाण प्राप्त किया।

लुंबिनी वह पवित्र स्थान है जहां बौद्ध परंपरा के अनुसार, रानी महामायादेवी ने लगभग 623 ईसा पूर्व में सिद्धार्थ गौतम को जन्म दिया था। भगवान बुद्ध का जन्म लुंबिनी वन में हुआ था, जो जल्द ही तीर्थस्थान बन गया।

तीर्थयात्रियों में भारतीय सम्राट अशोक शामिल थे, जिन्होंने वहां अपना एक स्मारक स्तंभ बनवाया था। यह स्थल अब एक बौद्ध तीर्थ केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां भगवान बुद्ध के जन्म से जुड़े पुरातात्विक अवशेष एक मुख्य विशेषता है।

म्यांमार का स्वर्ण मंदिर, तारा फाउंडेशन मंदिर, श्रीलंका मठ, कोरियाई मंदिर (दाए सुंग शाक्य), कंबोडियन मठ और वियतनामी फाट क्वोकटू मंदिर क्षेत्र के कुछ अन्य विहार और मठ हैं।

लुंबिनी नेपाल के सबसे पवित्र और सबसे महत्वपूर्ण स्थानों में से एक है जिसके परिणामस्वरूप इसे यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत क्षेत्रों की सूची में शामिल किया गया था।

इंटरनेशनल बुद्धिस्ट कॉन्फ़ेडरेशन, भारत का मुख्यालय नई दिल्ली में है। एक अंतरराष्ट्रीय बौद्ध अंब्रेला संस्था के रूप में 2013 में इसका गठन किया गया था। यह दुनिया भर में बौद्धों के लिए एक सामान्य मंच के रूप में काम करता है। इसे सर्वोच्च बौद्ध धार्मिक पदानुक्रम के संरक्षण में स्थापित होने का सम्मान प्राप्त है। इसका उद्देश्य साझा बौद्ध मूल्यों और सिद्धांतों को संरक्षित, प्रचारित करने और बढ़ावा देने के लिए दुनिया भर में विभिन्न बौद्ध संगठनों और परंपराओं के लिए एक मंच तैयार करना है। इसका उद्देश्य वैश्विक समस्याओं का साझा समाधान खोजना भी है।

इंटरनेशनल बुद्धिस्ट कॉन्फ़ेडरेशन, नेपाल में बौद्ध संगठनों को एक साथ करने में सक्रिय रूप से शामिल रहा है और कई वरिष्ठ बौद्ध भिक्षुओं के साथ इसके मजबूत संबंध हैं। प्रधानमंत्री की यात्रा और लुंबिनी मठ परिसर में एक भारतीय केंद्र का निर्माण होने से साझा बौद्ध विरासत और संस्कृति के माध्यम से संबंधों को और मजबूती मिलेगी।

राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय आज से 20 मई तक शैक्षिक गतिविधियों और कार्यक्रमों का आयोजन करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस मनाने के लिए, राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय, नई दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय परिषद (आईसीओएम) द्वारा उल्लिखित संग्रहालय की शक्ति के विषय के तहत कई शैक्षिक गतिविधियों और कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। आईसीओएम 1977 से प्रत्येक वर्ष एक अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस (आईएमडी) का आयोजन कर रहा है, जो अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय समुदाय के लिए एक अद्वितीय कार्यक्रम का प्रतिनिधित्व करता है। इस दिवस का उद्देश्य सांस्कृतिक आदान-प्रदान के महत्वपूर्ण साधन, संस्कृतियों के संवर्धन और आपसी समझ, सहयोग और लोगों के बीच शांति के विकास के रूप में संग्रहालय की भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय 16 से 20 मई, 2022 तक उपर्युक्त थीम के साथ सप्ताह भर चलने वाले समारोहों को प्रस्तुत करेगा। हस्तांतरण और क्षेत्रज्ञ नामक भारतीय कला के आधुनिक उस्तादों पर ध्यान केंद्रित करने वाली दो प्रमुख प्रदर्शनियों का उद्घाटन 18 मई को संस्कृति मंत्री, पर्यटन मंत्री और पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास मंत्री जी. किशन रेड्डी द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर संस्कृति मंत्रालय के सचिव गोविंद मोहन और संस्कृति मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुलिली पांडेय ही मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित रहेंगे। जहां एक ओर प्रदर्शनी हस्तांतरण दर्शकों को नंदलाल बोस (1882-1966) की विभिन्न माध्यमों, भित्ति-चित्रों से लेकर लिथोग्राफ और कांग्रेस के हरिपुरा अधिवेशन के लिए पैनल पेंटिंग तक कलात्मक और आध्यात्मिक यात्रा के लिए आमंत्रित करती है, वही; क्षेत्रज्ञ बिनोद बिहारी मुखर्जी और रामकिंकर बैज के कलात्मक क्रियाकलाप पर विशेष ध्यान देने के साथ, भारत के राष्ट्रीय कला खजाने के नवरत्नों का उत्सव मनाता है।

जामिनी रॉय और अमृता शेरगिल की कला पर आधारित निर्देशित वॉकथ्रू और कला कार्यशालाओं की एक श्रृंखला अंतःविषय कार्यक्रम के केंद्र में होगी। शाम में 3डी प्रोजेक्शन मैपिंग के साथ संग्रहालय के विस्तारित समय के दौरान वंचित बच्चों के लिए 'नाइट एट द म्यूजियम' का आयोजन किया जाएगा।

भारत और ब्राजील के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत, 16 मई, 2022 को केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी की मुख्य अतिथि के रूप में और संस्कृति राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी की विशिष्ट अतिथि के रूप में भव्य उपस्थिति में ब्रासीलिया और आधुनिक ब्राजील का निर्माण शीर्षक वाली प्रदर्शनी का उद्घाटन किया जाएगा।

इन कार्यक्रमों के अलावा, सेल्फी के इच्छुक लोगों के लिए सांस्कृतिक प्रदर्शन, फोटो बूथ का एक दिलचस्प स्थान बनाया गया है।

राजीव कुमार ने भारत के 25वें सीईसी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजीव कुमार ने भारत सरकार के कानून और न्याय मंत्रालय की 12 मई, 2022 को जारी राजपत्र अधिसूचनाके अनुपालन में आज भारत निर्वाचन आयोग, निर्वाचन सदन,नई दिल्ली में भारत के 25वें मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में पदभार ग्रहण किया। राजीव कुमार 1 सितंबर,2020 से चुनाव आयुक्त के रूप में चुनाव आयोग में कार्यरत हैं। चुनाव आयुक्त के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान,कोविड महामारी की चिंताओं के बीच 2020 में बिहार की राज्य विधानसभा चुनाव, मार्च-अप्रैल 2021 में असम,केरल,पुडुचेरी,तमिलनाडु,पश्चिम बंगाल और हाल ही में 2022 की शुरुआत में गोवा,मणिपुर,पंजाब,उत्तराखंड,उत्तर प्रदेश के लिए भी विधानसभा चुनाव हुए हैं।

सीईसी के रूप में कार्यभार संभालने के बाद,राजीव कुमार ने कहा कि भारतीय संविधान द्वारा उपहार में दिए गए बेहतरीन संस्थानों में से एक चुनाव आयोग का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी मिलने से वो सम्मानित हुए हैं, यह वह संस्थान जो हमारे देश में लोकतंत्र को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि पिछले सत्तर वर्षों के दौरान चुनाव आयोग ने हमारे नागरिकों को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव देने,मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने,कदाचार को रोकने और हमारे चुनावों की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए बहुत कुछ किया है। उन्होंने कहा कि, संविधान के तहत किसी भी बड़े सुधार को लाने के लिए आयोग परामर्श और सर्वसम्मति निर्माण के लिए पहले अपनाए गए उपाय और लोकतांत्रिक तरीकों का पालन करेगा और आयोग कड़े फैसलों से पीछे नहीं हटेगा।

कुमार ने यह भी कहा कि बेहतर चुनाव प्रबंधन और संचालन के लिए पारदर्शिता लाने और मतदाता सेवाओं को आसान बनाने के लिए प्रक्रियाओं और प्रथाओं को सरल करने के लिए प्रौद्योगिकी को प्रमुख साधन बनाया जाएगा।

पश्चिम बंगाल : कूड़े के ढेर में पड़े बक्से में जोरदार धमाका, 17 साल के युवक की दर्दनाक मौत

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के अजमतला में कूड़े के ढेर में पड़े देसी बम के धमाके से 17 साल के युवक की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक ये घटना शनिवार को पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिले में हुई। जानकारी के मुताबिक ये घटना कोलकाता से 15 किलोमीटर दूर अजमतला इलाके में हुई जो रहारा पुलिस थाने इलाके में आता है। मृतक की पहचान शेख साहिल के तौर पर हुई है। पुलिस के मुताबिक मृतक के दादा को कूड़े में एक लोहे का बक्सा मिला जिसे वो घर ले आए।

बताया जा रहा है कि साहिल के दादा को लगा कि ये लोहे का कोई बक्सा है जिसमें कुछ भारी भरकम सामान होगा। घर पर मौजूद शेख साहिल ने वो बक्सा अपने दादा से ले लिया और उसे खोलने की कोशिश करने लगा। जब वो बक्सा उससे नहीं खुला तो उसने वो बक्सा जमीन पर फेंक दिया।

राष्ट्रव्यापी कोविड टीकाकरण के तहत अब तक 191.32 करोड़ से अधिक लगे टीके

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का कोविड-19 टीकाकरण कवरेज आज सुबह 7 बजे तक अंतिम रिपोर्ट के अनुसार 191.32 करोड़ (1,91,32,94,864) से अधिक हो गया। इस उपलब्धि को 2,39,40,502 टीकाकरण सत्रों के जरिये प्राप्त किया गया है। 12-14 आयु वर्ग के लिए कोविड-19 टीकाकरण 16 मार्च, 2022 को प्रारंभ हुआ था। अब तक 3.17 करोड़ (3,17,42,189) से अधिक किशोरों को कोविड-19 टीके की पहली खुराक लगाई गई है। समान रुप से 18-59 आयु वर्ग के लिये प्रीकॉशन खुराक भी 10 अप्रैल,2022 को प्रारंभ की गई थी। भारत में सक्रिय मामले आज 17,692 हैं। सक्रिय मामले, कुल पॉजिटिव मामलों के 0.04 प्रतिशत हैं। नतीजतन, भारत में स्वस्थ होने की दर 98.74 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटों में 2,878 रोगियों के ठीक होने के साथ ही स्वस्थ होने वाले मरीजों (महामारी की शुरुआत के बाद से) की कुल संख्या बढक़र 4,25,79,693 हो गई है। बीते 24 घंटे में कोरोना के 2,487 नए मामले सामने आएं। 24 घंटों में कुल 4,05,156 जांच की गई हैं। भारत ने अब तक कुल 84.38 करोड़ से अधिक (84,38,36,914) जांच की गई हैं। देश में साप्ताहिक पुष्टि वाले मामलों की दर 0.62 प्रतिशत है और दैनिक रूप से पुष्टि वाले मामलों की दर 0.61 प्रतिशत है।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा